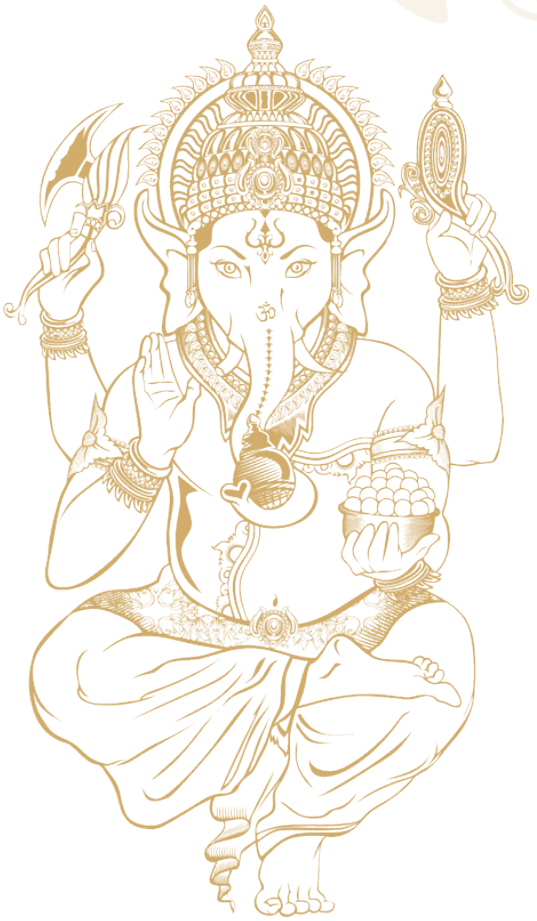

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120411205

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/02/1996	जन्म तिथि	04/01/1993
शनिवार	दिन	सोमवार
घंटे 19:10:00	जन्म समय	08:10:00 घंटे
घटी 30:51:11	जन्म समय(घटी)	02:28:47 घटी
India	देश	India
Mathura	स्थान	Agra
27:30:00 उत्तर	अक्षांश	27:09:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	78:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:18:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:49:31	सूर्योदय	07:08:32
18:15:55	सूर्यास्त	17:37:33
23:48:19	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:51

विंशोत्तरी
शुक्र 6वर्ष 3मा 12दि

राहु	07/06/2025
	08/06/2043
राहु	18/02/2028
गुरु	14/07/2030
शनि	20/05/2033
बुध	07/12/2035
केतु	25/12/2036
शुक्र	26/12/2039
सूर्य	18/11/2040
चन्द्र	20/05/2042
मंगल	08/06/2043

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	सिंह	24:08:17
सूर्य	कुंभ	11:25:45
चंद्र	मेष	22:28:39
मंगल व	कुंभ	13:22:12
बुध	मक	18:14:32
गुरु	धनु	17:00:10
शुक्र	मीन	24:16:04
शनि	मीन	00:56:39
राहु	कन्या	24:10:14
केतु	मीन	24:10:14
हर्ष	मक	08:39:35
नेप	मक	02:51:08
प्लूटो	वृश्चि	09:16:45

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	मक	04:49:05
सूर्य	धनु	19:59:34
चंद्र	मेष	23:41:45
मंगल व	मिथु	25:25:49
बुध	धनु	08:31:15
गुरु	कन्या	19:58:09
शुक्र	कुंभ	06:21:47
शनि	मक	22:55:04
राहु	वृश्चि	27:36:35
केतु	वृष	27:36:35
हर्ष	धनु	24:05:23
नेप	धनु	24:42:33
प्लूटो	वृश्चि	00:56:05

विंशोत्तरी
शुक्र 4वर्ष 5मा 14दि

राहु	19/06/2020
	20/06/2038
राहु	02/03/2023
गुरु	26/07/2025
शनि	01/06/2028
बुध	19/12/2030
केतु	07/01/2032
शुक्र	07/01/2035
सूर्य	01/12/2035
चन्द्र	01/06/2037
मंगल	20/06/2038

लग्न-चलित

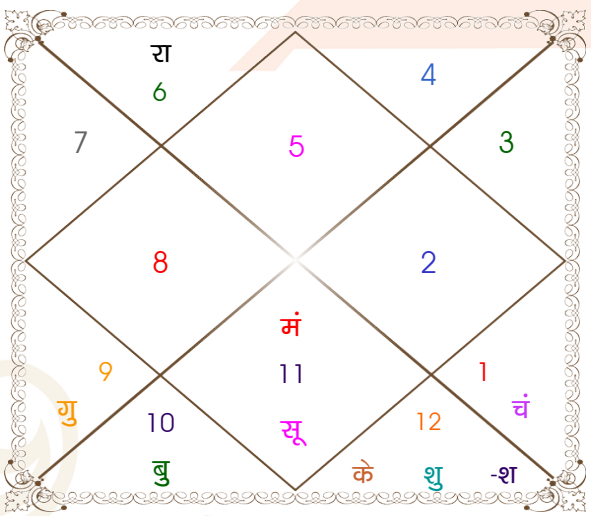

लग्न-चलित

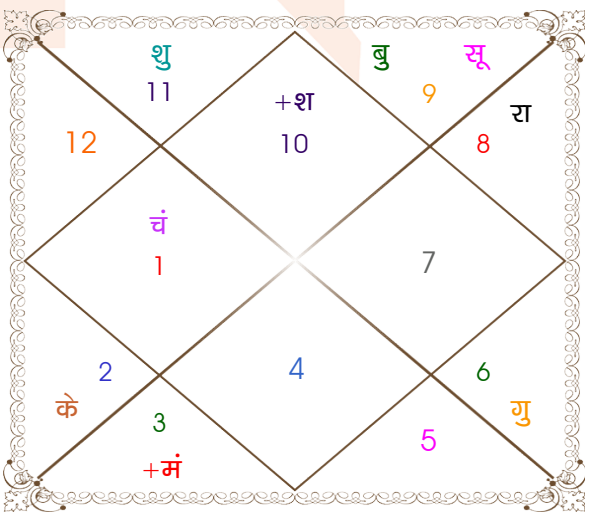

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	गज	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।